चाय की दुकान से देश के सर्वोच्च पद तक - नरेंद्र मोदी

नरेंद्र मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के एक छोटे से कस्बे वडनगर में एक गरीब परिवार में हुआ था। उनके पिता, दामोदरदास मोदी, स्थानीय रेलवे स्टेशन पर एक छोटी सी चाय की दुकान चलाते थे।

- दैनिक दिनचर्या: स्कूल जाने से पहले, बालक नरेंद्र सुबह जल्दी उठकर रेलवे प्लेटफॉर्म पर अपने पिता के साथ यात्रियों को चाय बेचने में मदद करते थे।
- सीख: जीवन के इस दौर ने उन्हें गरीबी और आम जनता के संघर्षों को बहुत करीब से दिखाया, जिससे उनके भीतर मेहनत और धैर्य की नींव पड़ी।

2. राष्ट्र सेवा का संकल्प

किशोरी अवस्था में स्वामी विवेकानंद के विचारों से प्रभावित होकर नरेंद्र मोदी ने अपना जीवन राष्ट्र सेवा में लगाने का संकल्प लिया।

- घर का त्याग: उन्होंने बहुत कम उम्र में ही सांसारिक सुखों और पारिवारिक जीवन को पीछे छोड़ दिया।
- साधना के वर्ष: उन्होंने कई वर्षों तक पूरे भारत का भ्रमण किया, हिमालय और विभिन्न आश्रमों में समय बिताया। इस यात्रा ने उनके आत्म-अनुशासन और आंतरिक शक्ति को मजबूत किया।

3. जमीन से जुड़े कार्यकर्ता (RSS से BJP तक)

1970 के दशक की शुरुआत में वे अहमदाबाद आए और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) के पूर्णकालिक स्वयंसेवक बन गए।

- *कोई काम छोटा नहीं: संघ कार्यालय में शुरुआती दिनों में वे वरिष्ठ नेताओं के लिए चाय बनाना, खाना पकाना, बर्तन धोना और परिसर की सफाई करने जैसे काम करते थे। वे किसी भी काम को छोटा नहीं समझते थे।*
- *कार्यकुशलता: उनकी संगठनात्मक क्षमता और बिना थके काम करने की आदत को देखते हुए 1985 में उन्हें भारतीय जनता पार्टी (BJP) की जिम्मेदारी सौंपी गई, जहाँ उन्होंने कई सालों तक पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत किया।*

4. आपदा से मुख्यमंत्री और फिर प्रधानमंत्री

साल 2001 में एक विनाशकारी भूकंप के बाद गुजरात की स्थिति को संभालने के लिए उन्हें राज्य का मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया। उन्होंने अपनी प्रशासनिक कुशलता से राज्य को दोबारा खड़ा किया।

इसके बाद, उनकी अथक मेहनत के दम पर बीजेपी ने 2014 के आम चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल की और वे देश के प्रधानमंत्री बने। 2019 में वे दोबारा चुने गए और 2024 में उन्होंने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया।

हमारे लिए प्रेरणादायक सीख

- *कर्म का सम्मान: रेलवे स्टेशन से लेकर देश के सर्वोच्च पद तक का सफर यह साबित करता है कि आपकी शुरुआत चाहे जैसी हो, आपकी मेहनत आपका भविष्य तय करती है।*
- *कड़ा अनुशासन: आज भी रोजाना 16 से 18 घंटे काम करने वाले पीएम मोदी का एक प्रसिद्ध कथन है: "कड़ी मेहनत कभी थकान नहीं लाती, यह संतोष लाती है।"*